Committee of Legislators in 2015. As the idea gained momentum, the Committee that had travelled to Karnataka and Maharashtra in 2015, and Telangana and Bihar in 2018 and, thereafter, submitted its report in the same year. In September 2018, the Odisha Vidhan Sabha passed a resolution to set up the Legislative Council or Vidhan Parishad in Odisha. The Resolution now needs the approval of the Union Cabinet, after which it would be tabled in both the Houses of Parliament and thereafter Presidential assent is required to make it an Act. There is a need to have a Vidhan Parishad in Odisha for extensive discussion and wider consultation on crucial issues pertaining to the State. Also, Bills, which are passed in the State Assembly, can have elaborate discussions in the Upper House. I request the Government of India to take all necessary steps for the establishment of the Odisha Vidhan Parishad expeditiously.

Faulty design of underpass situated under National Highway and Railway Line

श्री रामचंद्र जांगड़ा (हरियाणा) : मान्यवर, मैं आपके माध्यम से बहुत ही महत्वपूर्ण विषय को सदन के ध्यान में लाना चाहता हूँ।

मान्यवर, 2014 के बाद, जब से प्रधान मंत्री, नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र में सरकार बनी है, देश के आधारभूत ढांचे के विकास में नई क्रांति आई है। राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हो, रेलवे नेटवर्क का विस्तार हो या हवाई यात्राओं व हवाई अड्डों की वृद्धि का विषय हो, हमारे देश ने मोदी जी के नेतृत्व में अभूतपूर्व प्रगति की है। मान्यवर, आवागमन के मामले में हर भारतवासी को 2014 के बाद से हर क्षेत्र में अपार सुविधाएं मिली हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र से गुजरने वाले राजमार्गों व रेलमार्गों के कारण ग्रामीणों को कुछ कठिनाइयाँ झेलनी पड़ रही हैं। मैं आपके माध्यम से यह सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूँ।

मान्यवर, राष्ट्रीय राजमार्गों व रेलवे लाइनों के नीचे से गुजरने के लिए बने अंडरपासों की डिजाइनिंग काफी जगहों पर सही नहीं है। वे या तो बहुत गहरे हैं, जहाँ बारिश के दिनों में पानी भर जाता है और कुछ में तो 12 महीने जमीन के नीचे का पानी भरा रहता है, जिससे ग्रामीणों को काफी लंबा चक्कर लगाकर आना-जाना पड़ता है। कुछ इतने संकरे हैं कि आज के समय किसानों द्वारा प्रयोग की जाने वाली ट्रैक्टर ट्रॉलियाँ उनमें से नहीं निकल सकतीं। इससे किसानों को बहुत कठिनाइयाँ होती हैं।

मान्यवर, मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि अंडरपासों की डिजाइनिंग के सुधारीकरण की ओर ध्यान दिया जाए तथा जो सही नहीं हैं, उनको सुधारा जाए।

Demand to develop Hapur as Spiritual city

श्रीमती कान्ता कर्दम (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं आज इस सदन का ध्यान हापुड़ जिले में विकास की महत्वपूर्ण संभावनाओं की ओर आकर्षित करने के लिए खड़ी हुई हूं। उत्तर प्रदेश में स्थित हापुड़ में पवित्र स्थलों और आकर्षणों की एक विविध श्रृंखला है, जो इसे गहन सांस्कृतिक और

ऐतिहासिक महत्व का गंतव्य बनाती है। श्रद्धेय पवित्र स्थानों से लेकर मनोरम आकर्षणों तक, जिला आगंतुकों और निवासियों के लिए एक संपन्न केंद्र बनने का वादा करता है। महोदय, सरकार को अपने प्रयासों को हापुड़ जिले को सर्वांगीण विकास की ओर ले जाने की आवश्यकता है। यह जरूरी है कि हम गढ़मुक्तेश्वर को हरिद्वार और वाराणसी की तरह एक पवित्र शहर के रूप में विकसित करने जैसी पहल को प्राथमिकता दें। इस साल गढ़मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा मेले के दौरान 35 लाख से ज्यादा लोगों ने गंगा स्नान किया। एक नए तीर्थ स्थल के रूप में बृजघाट के उभरते महत्व को पहचानते हुए इसे एक जीवंत पर्यटन स्थल में बदलने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। वाराणसी में नियोजित एमवी गंगा विलास से प्रेरणा लेते हुए, बृजघाट में गंगा नदी पर क्रूज़ सेवाएं शुरू करने की आवश्यकता है। यह पहल न केवल आध्यात्मिक जरूरतों को पूरा करेगी, बल्कि क्षेत्र के सांस्कृतिक और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगी।

महोदय, मैं सरकार से हापुड़ जिले को एक पवित्र शहर के रूप में विकसित करने को प्राथमिकता देने और इसमें तेजी लाने का आग्रह करती हूं।

Infirmities in issuance of Ayushman Card

श्री विजय पाल सिंह तोमर (उत्तर प्रदेश) : महोदय, भारत सरकार की आरोग्य योजना के तहत 12 करोड़ आयुष्मान काड्र्स लाभार्थियों को दिए जा चुके हैं। इस योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है, जिससे वह देश के किसी भी हिस्से में अपना मुफ्त इलाज करवा सकता है। "विकसित भारत संकल्प यात्रा" के दौरान मुझे जानकारी मिली थी कि भारत सरकार की आयुष्मान योजना में 6 या 6 से अधिक सदस्य वाले राशन कार्डधारी परिवार अपने घर पर ही मोबाइल से आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं, लेकिन 6 सदस्यों से कम संख्या वाले परिवारों के काड्र्स नहीं बन पा रहे हैं। मेरे विचार से यह योजना उन परिवारों के लिए नुकसानदेह है, जिन्होंने सरकार की परिवार नियोजन नीति का पालन किया है, क्योंकि उनके परिवार में सदस्यों की संख्या 6 से कम है।

अतः मेरा आग्रह है कि इस योजना में अविलंब परिवर्तन करके 6 से कम सदस्यों वाले राशन कार्डधारी परिवारों को आयुष्मान योजना का लाभ प्राथमिकता के आधार पर मिलना चाहिए, ताकि केन्द्र की परिवार नियोजन नीति का पालन करने वालों को लाभ मिल सके तथा इस नीति का पालन करने वालों को हतोत्साहित न होना पड़े।

Demand for teaching of Sanskrit in Schools and Colleges in systematic manner

डा. कल्पना सैनी (उत्तराखंड): महोदय, संस्कृत भारत की प्राचीनतम भाषा है। विश्व साहित्य में संस्कृत भाषा में सृजित एवं समाहित साहित्य अपनी प्राचीनता, दिव्यता, महानता और अनुपमता के कारण विश्व-वन्दनीय एवं विश्व-विश्रुत हैं। सम्पूर्ण वैदिक साहित्य का दिव्यतम स्वरूप संस्कृत भाषा में संग्रथित, सन्निहित एवं समाश्रित हो रहा है। विश्व साहित्य और सृष्टि के सर्गकाल की सनातन वैदिक वाणी चतुर्वेदों में अपनी परम दिव्यता के साथ परिलक्षित हो रही है। ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की ईश्वरीय सनातन वैदिक दिव्य वाणी वैदिक संस्कृत में